



लेते एसीबी ने दबोचा
गिरिडीह। भ्रायगार निरेखक स्ट्रो
(एसीबी) की टीम ने बुधवार को
गिरिडीह के जुआ प्रखड़ के
रोजगार सेवक राजेश कुमार को
पांच हजार रिश्वत लेते रोगेहथ
गिरफ्तार किया है। रोजगार सेवक
राजेश कुमार को जमुआ के
सकरडीह से दबोचा गया। मनरेगा
योजना में आरोपित एक तालुक से
बकाया भुतान कि मांग को लेकर
पांच हजार का डिमांड किया था।
लालुक ने मामले की जानकारी
धनबाद एसीबी को दी। इसके बाद
धनबाद एसीबी ने अपने स्तर से
जांच कर आरोपित रोजगार सेवक
को लालुक से पांच हजार लेते
दबोचा और साथ धनबाद ले गयी।

**हवाई हमले में मारा गया
हमास चीफ मो. सिनवार**

नयी दिल्ली। मोहम्मद सिनवार
हमास का गाजा चीफ और हमास के
कमांडर और याहा सिनवार का भाई
मोहम्मद सिनवार के मारे जाने पर
अपनी मुहर लगा दी है। प्राणमन्त्री
बैंगामिन नेतृत्वात् ने बुधवार को
इसकी पुष्टि की। संसद में गोलते
हुए बैंगामिन नेतृत्वात् ने कहा कि
13 मई को इसाइली सेना के हवाई
हमले में हमास कमांडर मोहम्मद
सिनवार मार दिया गया था।

**सीएस व जेएसएससी
नोटिस, जतायी नाराजगी**
रांची। झारखण्ड प्रारंभिक विद्यालय
प्रशिक्षित सहायक आगार्य संसूक्त
प्रतियोगिता परीक्षा-2023 के
रिजल्ट प्रकाशित करने में देरी पर
सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जतायी है।
साथ ही झारखण्ड की मुख्य सचिव
और जेएसएससी के सचिव को
नोटिस जारी किया है। इस मामले
की आगली सुनवाई जुलाई के
तीसरे सप्ताह में होगी। जस्टिस
जोके महेश्वरी और जस्टिस अरविं
द कुमार की पीठ ने मामले में
झारखण्ड की मुख्य सचिव और
जेएसएससी के सचिव को नोटिस
जारी किया है।

**कई विस्फोटक बरामद
नवसली साजिश विफल**

लातेहार। जिला पुलिस ने
नवसलियों के नापाक मंसुरे को
ध्वन करते हुए भारी मात्रा में बम
और हथियार बरामद किये हैं।

जिले सुक्षम बलों ने सर्वे
ऑरेंजर्स के दोरान आईंगी के
साथ साथ भारी मात्रा में हथियार
बरामद किये। लातेहार एसीबी ने
बताया कि नवसलियों के द्वारा
पुलिस को नुकसान पहुंचाने के लिए
बम लगाये गये थे। पुलिस और
सुरक्षा बलों ने नवसलियों की
याजना को असफल कर दिया।

**नवसलियों ने बंदूक की
नोक पर लूटे विस्फोटक**

राऊरकेला। ऑडिशा के सुदरगढ़
जिले में संघीय माओवादियों ने
पत्थर की खदान में ले जाये जा रहे
विस्फोटकों से भेरे ट्रक को लूट
लिया। विस्फोटकों से लदा वहन
बड़गांव से बांकों जा रहा था।
नाकाबोश और हथियारबंद लोगों
के एक समूह ने बांलग पुलिस थाने
की सीमा के अंतर्गत एक जंगली
झलक में जिलेटिन के जीर्व 200
पैकेट ले जा रहे एक ट्रक को अपने
कंधों में ले लिया।



रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

ज्योष्ठ, शुक्रवार, तृतीया, संवत् 2082



मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 12 | अंक : 313 | 12

मिस वर्ल्ड के लिए इंटरव्यू हुआ था



सबकी बात सबके साथ

मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 12 | अंक : 313 | 12

मिस वर्ल्ड के लिए इंटरव्यू हुआ था

खबर मञ्च

7 करोड़ से अधिक किसानों को मोदी सरकार की सौगात धान समेत 14 फसलों की एमएसपी में वृद्धि

एजेंटी

नयी दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने देश के 7 करोड़ से अधिक किसानों को बड़ी सौगत देते हुए 2025-26 के लिए 14 खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। धान, बाजरा, मवका, उद्दर, मूंगफली और सुरजमुखी बीज सहित 15 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को 69 रुपये बढ़ावा 2,369 रुपये प्रति विवरण करने का फैसला लिया गया है। इसके कारीब 7 करोड़ किसानों को घायदा होगा। वही, इस पर करीब 2 लाख 7 हजार करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछे 10-11 सालों से तगातर एमएसपी वृद्धि कर रही है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50 फीसदी की भी ध्यान में रखा गया है। मुख्य खाद्यान्न धान के लिए एमएसपी 69 रुपये प्रति विवरण करने का फैसला लिया गया है। नाइजर रोटी (रामतिक) को 820 रुपये विवरण करने का फैसला लिया गया है। इसके बाद राजीव 2 लाख 7 हजार करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछे 10-11 सालों से तगातर एमएसपी वृद्धि कर रही है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50 फीसदी की भी ध्यान में रखा गया है। मुख्य खाद्यान्न धान के लिए एमएसपी 69 रुपये प्रति विवरण करने का फैसला लिया गया है। नाइजर रोटी (रामतिक) को 820 रुपये विवरण करने का फैसला लिया गया है। इसके बाद राजीव 2 लाख 7 हजार करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछे 10-11 सालों से तगातर एमएसपी वृद्धि कर रही है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50 फीसदी की भी ध्यान में रखा गया है। मुख्य खाद्यान्न धान के लिए एमएसपी 69 रुपये प्रति विवरण करने का फैसला लिया गया है। नाइजर रोटी (रामतिक) को 820 रुपये विवरण करने का फैसला लिया गया है। इसके बाद राजीव 2 लाख 7 हजार करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछे 10-11 सालों से तगातर एमएसपी वृद्धि कर रही है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50 फीसदी की भी ध्यान में रखा गया है। मुख्य खाद्यान्न धान के लिए एमएसपी 69 रुपये प्रति विवरण करने का फैसला लिया गया है। नाइजर रोटी (रामतिक) को 820 रुपये विवरण करने का फैसला लिया गया है। इसके बाद राजीव 2 लाख 7 हजार करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछे 10-11 सालों से तगातर एमएसपी वृद्धि कर रही है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50 फीसदी की भी ध्यान में रखा गया है। मुख्य खाद्यान्न धान के लिए एमएसपी 69 रुपये प्रति विवरण करने का फैसला लिया गया है। नाइजर रोटी (रामतिक) को 820 रुपये विवरण करने का फैसला लिया गया है। इसके बाद राजीव 2 लाख 7 हजार करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछे 10-11 सालों से तगातर एमएसपी वृद्धि कर रही है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50 फीसदी की भी ध्यान में रखा गया है। मुख्य खाद्यान्न धान के लिए एमएसपी 69 रुपये प्रति विवरण करने का फैसला लिया गया है। नाइजर रोटी (रामतिक) को 820 रुपये विवरण करने का फैसला लिया गया है। इसके बाद राजीव 2 लाख 7 हजार करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछे 10-11 सालों से तगातर एमएसपी वृद्धि कर रही है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50 फीसदी की भी ध्यान में रखा गया है। मुख्य खाद्यान्न धान के लिए एमएसपी 69 रुपये प्रति विवरण करने का फैसला लिया गया है। नाइजर रोटी (रामतिक) को 820 रुपये विवरण करने का फैसला लिया गया है। इसके बाद राजीव 2 लाख 7 हजार करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछे 10-11 सालों से तगातर एमएसपी वृद्धि कर रही है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50 फीसदी की भी ध्यान में रखा गया है। मुख्य खाद्यान्न धान के लिए एमएसपी 69 रुपये प्रति विवरण करने का फैसला लिया गया है। नाइजर रोटी (रामतिक) को 820 रुपये विवरण करने का फैसला लिया गया है। इसके बाद राजीव 2 लाख 7 हजार करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछे 10-11 सालों से तगातर एमएसपी वृद्धि कर रही है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50 फीसदी की भी ध्यान में रखा गया है। मुख्य खाद्यान्न धान के लिए एमएसपी 69 रुपये प्रति विवरण करने का फैसला लिया गया है। नाइजर रोटी (रामतिक) को 820 रुपये विवरण करने का फैसला लिया गया है। इसके बाद राजीव 2 लाख 7 हजार करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछे 10-11 सालों से तगातर एमएसपी वृद्धि कर रही है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50 फीसदी की भी ध्यान में रखा गया है। मुख्य खाद्यान्न धान के लिए एमएसपी 69 रुपये प्रति विवरण करने का फैसला लिया गया है। नाइजर रोटी (रामतिक) को 820 रुपये विवरण करने का फैसला लिया गया है। इसके बाद राजीव 2 लाख 7 हजार करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछे 10-11 सालों से तगातर एमएसपी वृद्धि कर रही है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50 फीसदी की भी ध्यान में रखा गया है। मुख्य खाद्यान्न धान के लिए एमएसपी 69 रुपये प्रति विवरण करने का फैसला लिया गया है। नाइजर रोटी (रामतिक) को 820 रुपये विवरण करने का फैसला लिया गया है। इसके बाद राजीव 2 लाख 7 हजार करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछे 10-11 सालों से तगातर एमएसपी वृद्धि कर रही है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50 फीसदी की भी ध्यान में रखा गया है। मुख्य खाद्यान्न धान के लिए एमएसपी 69 रुपये प्रति विवरण करने का फैसला लिया गया है। नाइजर रोटी (रामतिक) को 820 रुपये विवरण करने का फैसला लिया गया है। इसके बाद राजीव 2 लाख 7 हजार करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछे 10-11 सालों से तगातर एमएसपी वृद्धि कर रही है। हर फसल के लिए लागत के साथ 50 फीसदी की भी ध्यान में रखा गया है। मुख

पलटीमार ट्रंप

अ मेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बड़बोलेपन के लिए जाने जाते हैं। वे कब व्या कह दें, अपने कहे से मुकर जाएं, पलटी मार दें, अंदर जाएगा मूशिकल है। औपरेशन सिंदूर के बाद भारत द्वारा पाक पर बवाइडोड हमले किए जाने और पाक द्वारा मुकाबला करने की नाकाम कोशिक के बाद जिन भी परिस्थितियों में सीजफायर हुआ, निष्पक्ष विशेषक कुछ भी आकलन करें लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले तो सीजफायर का सारा त्रैय खुद बटोर लिया लेकिन भारत सरकार द्वारा उनके दावों, प्रतिवावों को सख्ती से खारिज किए जाने के बाद उन्होंने यह कहते हुए वूटर्ट ले लिया है कि दक्षिण एशिया के दिन दोनों परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों के दस्यान सीजफायर या मध्यस्थता करना में उनकी कोई भूमिका नहीं है। कश्मीर, एलओसी, पांओके और भारत पाक के संबंधों से जुड़े अन्य पहलुओं पर भारत को रीति नीति की तरफ साफ़ है। भारत का स्पष्ट मानना है कि उसके पाक से जुड़े जो भी विवाद है, उन्हें मुलझने की तरफ साफ़ समर्थन रखता है और लेकिन औपरेशन सिंदूर के मध्य दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद सीजफायर पर जो रजामंदी बनी, ट्रंप ने उन अमेरिकी प्रयासों का प्रतिफल बताकर भारत की कश्मीर नीति को नए और अश्वियूपूर्ण संदर्भ देने की कोशिक की। अमेरिका भले ही सुपरपावर है लेकिन विश्व राजनीति में ट्रंप के बायानों को कभी गंभीरता से नहीं लिया जाता। सीजफायर के बाद उन्होंने जिस तरह के वरक्य दिए, उनमें भारत के प्रति सम्मान तो परिलक्षित नहीं होता। ट्रंप अपने भारत के प्रति सम्मान तो बढ़ावा देते हुए दिखते हैं। पूरी दुनिया में उनकी आलोचना हो रही है और अमेरिका में भी उनका विरोध अंतर्भूत हो गया है। लोकप्रियता में लगातार गिरावट हो रही है।

आज का रायिफल

मेष : बुद्धि व धन का दुरुपयोग न करें व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातुपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। व्यार्थ प्रणाली में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिक सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

कन्या : अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में सहेज है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति का सम्भवना होती है। लेकिन चीनी सेना के भीतर लड़ने का मादा नहीं है। 31 लाख 70 हजार से ज्यादा की अमीरीकी के पास है। लेकिन ये भाग जाते हैं। चीन के मिसाइलों में ईंधन की जगह पानी

